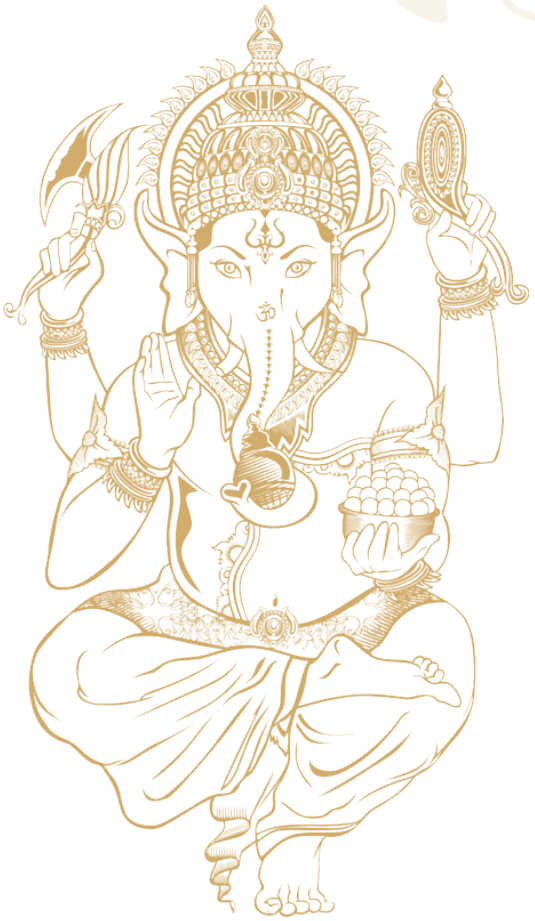

Nikhil

Shivani

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121230901

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121230901 Date: 10/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/06/1999	जन्म तिथि	02/03/2006
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:35:00	जन्म समय	09:05:00 घंटे
घटी 35:38:19	जन्म समय(घटी)	05:34:25 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Una
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:19:40	सूर्योदय	06:51:14
19:28:35	सूर्यास्त	18:23:05
23:50:44	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:35

वृश्चिक	लग्न	मेष
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मेष	राशि	मीन
मंगल	राशि-स्वामी	गुरु
अश्विनी	नक्षत्र	रेवती
केतु	नक्षत्र स्वामी	बुध
4	चरण	1
शोभन	योग	शुभ
कौलव	करण	तैतिल
ला-लाखन	जन्म नामाक्षर	दे-देविका
मिथुन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	जलचर
अश्व	योनि	गज
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	सर्प

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 1वर्ष 8मा 20दि	27:45:47	वृश्चि	लग्न	मेष	04:47:52	बुध 16वर्ष 0मा 17दि
सूर्य	25:25:02	वृष	सूर्य	कुंभ	17:28:06	केतु
28/02/2021	10:03:14	मेष	चंद्र	मीन	17:24:45	20/03/2022
01/03/2027	00:51:35	तुला	मंगल	वृष	12:16:40	20/03/2029
सूर्य 18/06/2021	12:50:52	मिथु	बुध	मीन	02:56:32	केतु 16/08/2022
चन्द्र 17/12/2021	03:02:03	मेष	गुरु	तुला	24:54:29	शुक्र 16/10/2023
मंगल 24/04/2022	10:45:24	कर्क	शुक्र	मक	03:35:14	सूर्य 21/02/2024
राहु 19/03/2023	18:17:50	मेष	शनि व	कर्क	11:28:24	चन्द्र 21/09/2024
गुरु 05/01/2024	20:41:49	कर्क व	राहु	मीन	10:29:28	मंगल 17/02/2025
शनि 17/12/2024	20:41:49	मक व	केतु	कन्या	10:29:28	राहु 08/03/2026
बुध 24/10/2025	22:47:37	मक व	हर्ष	कुंभ	16:48:56	गुरु 12/02/2027
केतु 28/02/2026	10:12:51	मक व	नेप	मक	24:13:55	शनि 22/03/2028
शुक्र 01/03/2027	14:59:58	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	02:36:23	बुध 20/03/2029

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:44 चित्रपक्षीय अयनांश 23:56:35

लग्न-चलित

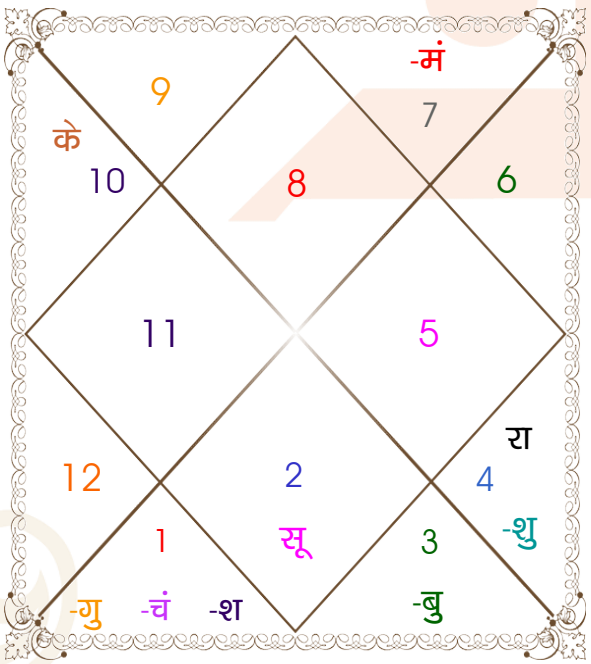

लग्न-चलित

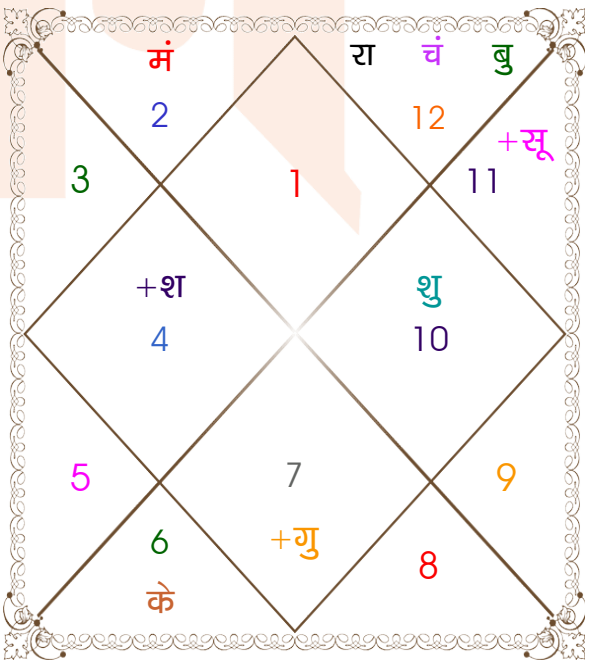

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	अश्व	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

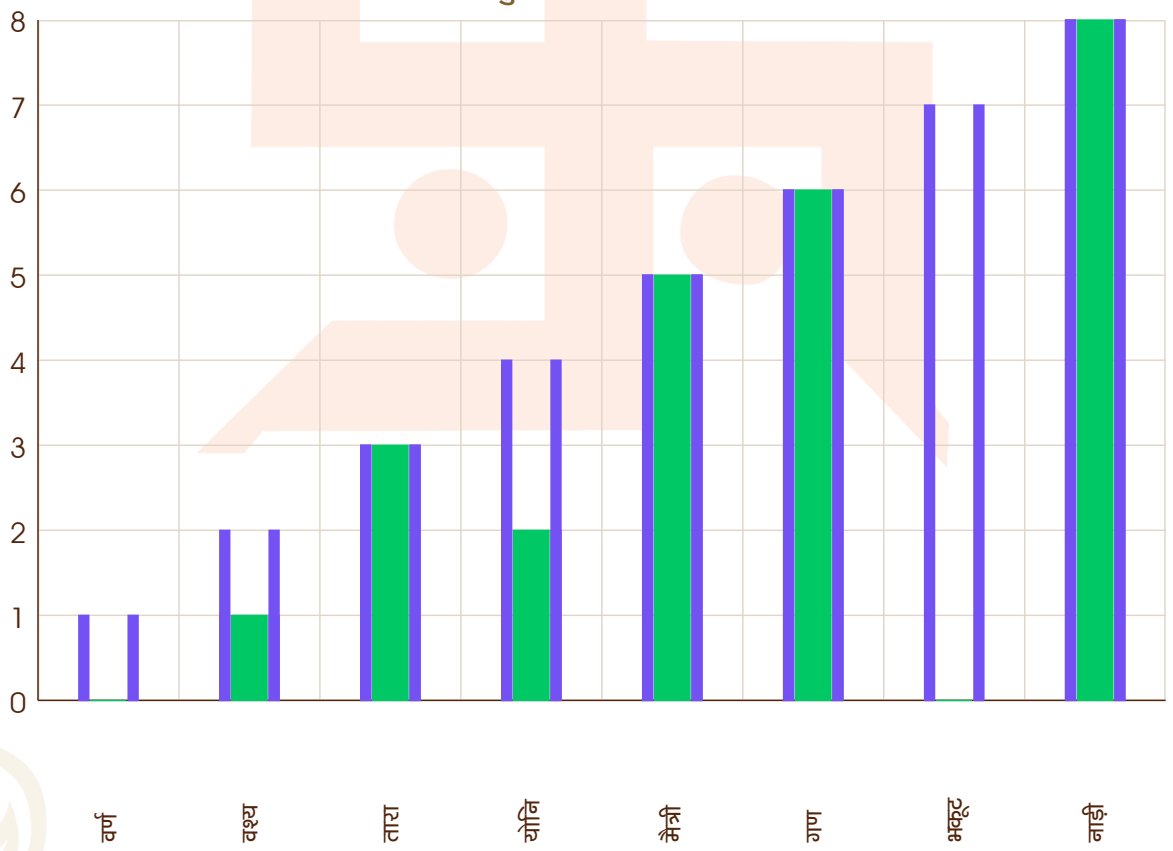

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

छपीपस का वर्ग मृग है तथा ौपअंदप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार छपीपस और ौपअंदप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

छपीपस मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल छपीपस कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ौपअंदप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ौपअंदप कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

छपीपस तथा ौपअंदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

छपीपस का वर्ण क्षत्रिय तथा ौपअंदप का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही ौपअंदप हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना छपीपस एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

छपीपस का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं ौपअंदप का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। छपीपस एवं ौपअंदप दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में छपीपस एवं ौपअंदप दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

छपीपस की तारा सम्पत तथा ौपअंदप की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से छपीपस एवं ौपअंदप दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। ौपअंदप एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

छपीपस की योनि अश्व है तथा ौपअंदप की योनि गज है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में

दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में छपीपस एवंौपअंदप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि छपीपस एवंौपअंदप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण छपीपस एवंौपअंदप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

छपीपस का गण देव तथाौपअंदप का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

छपीपस सेौपअंदप की राशि द्वादश भाव में स्थित हैौपअंदप से छपीपस की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में छपीपस परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतुौपअंदप का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा।ौपअंदप की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ हीौपअंदप तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते

रहेंगे।

नाड़ी

छपीपस की नाड़ी आद्य है तथा ौपअंदप की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। छपीपस की आद्य नाड़ी तथा ौपअंदप की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

छपीपस की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष है तथा ौपअंदप की जन्म राशि जल तत्व युक्त मीन है। अग्नि एवं जल तत्व का आपस में नैसर्गिक शत्रुता का भाव विद्यमान रहता है अतः इसके प्रभाव से छपीपस औरौपअंदप के मध्य वैचारिक मतभेदों की प्रधानता रहेगी फलतः दाम्पत्य जीवन में सुखद वातावरण प्रयत्न एवं आपसी सामंजस्य से ही उत्पन्न होगा।

छपीपस औरौपअंदप की राशि स्वामी मंगल एवं बृहस्पति परस्पर मित्र है अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा सामान्य सुख एवं प्रसन्नता अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। यह स्त्री एवं पुरूष राशि का सुखद संगम होता है। एक दूसरे को समझने तथा सहनशीलता का भाव रख कर आपसी सुख एवं सहयोग में वृद्धि करने में छपीपस औरौपअंदप सफल रहेंगे।

छपीपस औरौपअंदप की राशि एक दूसरे की जन्म राशि से द्वितीय द्वादश में पड़ती है जो कि भकूट दोष है। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा ये मानसिक परेशानियों से कष्ट की अनुभूति कर सकते है साथ ही आर्थिक विषमताओं का भी सामना करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के प्रति ईर्ष्या का भी भाव हो सकता है। अतः यत्न पूर्वक ऐसे भावों की उपेक्षा करनी चाहिए।

छपीपस का वश्य चतुष्पद तथा ौपअंदप का वश्य जलचर है। सामान्यतया इनकी अभिरूचियां समान रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख में अभिवृद्धि होगी तथा एक दूसरे की काम भावनाओं में समानता होने के कारण परस्पर सन्तुष्टि एवं प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे। साथ ही छपीपस कौपअंदप के प्रति पूर्ण आकर्षण बना रहेगा।

छपीपस का वर्ण क्षत्रिय है। अतः वह एक साहसी एवं पराक्रमी पुरूष होंगे। ौपअंदप का ब्राहमण वर्ण होने के कारण शिक्षा क्षेत्र में उनकी विशेष रूचि रहेगी तथा धार्मिकता का भाव भी विद्यमान रहेगा।

धन

छपीपस की जन्मतारा सम्पत तथा ौपअंदप की अतिमित्र है ये दोनों ताराएं शुभ मानी जाती है। अतः तारा के शुभ प्रभाव से इनके सुख सौभाग्य एवं धनऐश्वर्य में वृद्धि होगी। लेकिन छपीपस औरौपअंदप की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है जो भकूट दोष माना जाता है। साथ ही मंगल भी आर्थिक दृष्टि से विशेष शुभ नहीं रहेगा। अतः इनका धनार्जन परिश्रम पूर्वक होगा परंतु उसकी कमी नहीं होगी। जिससे जीवन में आवश्यक सुख सुविधाओं का उपभोग करने में समर्थ होंगे।

भकूट दोष के प्रभाव से छपीपस की प्रवृति अधिक व्यय करने की रहेगी

जिससे यदा कदा आर्थिक विषमता की स्थिति उत्पन्न हो सकती है लेकिन स्थिति नियंत्रण में रहेगी तथा परिश्रम के उपरांत सामान्य स्थिति बनाने में छपीपस और ौपअंदप को सफलता प्राप्त होगी।

स्वास्थ्य

छपीपस की नाड़ी आद्य तथा ौपअंदप की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं रहेगा जिससे किसी गंभीर समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु मंगल का ौपअंदप के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होगा जिससे उनको गर्भपात संबंधी परेशानी की संभावना होगी तथा धातु संबंधी रोगों से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही मासिक धर्म संबंधी परेशानी का भी यदा कदा सामना करना पड़ेगा। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए ौपअंदप को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से छपीपस और ौपअंदप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त छपीपस और ौपअंदप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ौपअंदप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ौपअंदप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ौपअंदप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से छपीपस और ौपअंदप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार छपीपस और ौपअंदप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ौपअंदप के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न

होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ हीं ैपअंदप सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि ैपअंदप किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी ैपअंदप को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण ैपअंदप के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

छपीपस के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा छपीपस अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी छपीपस का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में छपीपस का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि छपीपस तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में छपीपस के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

Acharya Surender KumarJoshi
VPO CHAKSARAI DISTT UNA HIMACHAL PRADESH
9418407130
surenderjoshi70@gmail.com